उत्तर प्रदेश में बनेंगे सिल्क क्लस्टर रेडीमेड सेक्टर में होगी धाक : योगी

कहा- कपड़ा जीवन की जरूरत ही नहीं, किसानों की आमदनी बढ़ाने का सशक्त माध्यम भी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रेडीमेड गारमेंट्स में दुनिया के छोटे-छोटे देशों की धमक है। जिन लोगों के पास संसाधन कम और संभावनाएं न के बराबर हैं, वे आगे बढ़ चुके हैं। हमारे पास संभावना और संसाधन दोनों हैं। ऐसे में यूपी के पास पूरी दुनिया में रेडीमेड सेक्टर में धाक जमाने की क्षमता है।

देश में अलग-अलग क्लाइमेट जोन को देखते हुए सिल्क क्लस्टर बनाकर हम आगे बढ़ेंगे। सीएम मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सिल्क एक्सपो का उद्घाटन कर रहे थे। एक्सपो 28 अक्तूबर तक चलेगा।

सीएम ने कहा कि कपड़ा जीवन की आवश्यकता ही नहीं, किसानों की आमदनी बढ़ाने और रोजगार का सशक्त माध्यम भी है। यूपी की प्रगति पहले की तुलना में संतोषजनक हो सकती है, लेकिन यहां संभावनाओं को देखते हुए अपर्याप्त है। मार्केटिंग से लेकर डिजाइनिंग तक के लिए सरकार आपके साथ है। सिल्क क्लस्टर के साथ किसानों को रेशम मित्र के रूप में पहचान दिलाई जाएगी।

वाराणसी, भदोही और आजमगढ़ समेत कई जिलों में सिल्क क्लस्टर डेवलप करने के लिए कदम बढ़ाए गए हैं। कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस. गर्ग, सदस्य सचिव केंद्रीय रेशम बोर्ड पी. शिवकुमार, अपर मुख्य सचिव (रेशम) बीएल मीना भी शामिल हुए।

सीएम ने सिल्क एक्सपो का किया उद्घाटन

सभी जिलों के अपने यूनिक प्रोडक्ट

सीएम ने कहा कि 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद यूपी देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने परंपरागत उत्पाद की पॉलिसी बनाई है। आज सभी 75 जिलों का अपना यूनिक प्रोडक्ट है। इसे प्रोत्साहित करने के लिए एक जिला, एक उत्पाद योजना लाई गई है। उदाहरण दिया कि वाराणसी की सिल्क की साड़ियां पूरे देश में हर मांगलिक कार्यक्रम में पसंद बनती हैं। काशी विश्वनाथ धाम बनने के बाद इस व्यापार को नई ऊंचाई मिली है। कहा, लखनऊ-हरदोई में एक हजार एकड़ में बन रहे पीएम टेक्सटाइल मित्र पार्क के लिए कच्चा माल हमें ही तैयार करना होगा।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित सिल्क एक्सपो में प्रदर्शनी देखते सीएम योगी। -संवाद

रेशम उत्पादन एक नजर में

- भारत में 1200 मीट्रिक टन से 35000 मीट्रिक टन उत्पादन
- वर्ष 2030 तक 50 हजार मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य
- यूपी में उत्पादन 130 से बढ़कर 400 मीट्रिक टन तक

किसानों, उद्यमियों व डिजाइनरों का सम्मान

समारोह में सीएम ने रेशम मित्र पत्रिका का विमोचन किया। साथ ही 16 किसानों, उद्यमियों, संस्थाओं व डिजाइनरों को पं. दीनदयाल उपाध्याय रेशम रत्न से सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार के रूप में 50 हजार व द्वितीय पुरस्कार 25 हजार रुपये दिए गए।

यूपी में 9 क्लाइमेटिक जोन, अलग-अलग क्षेत्रों में अवसर

योगी ने कहा कि यूपी जैसे राज्य में नौ क्लाइमेटिक जोन हैं। इनमें अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग कृषि उत्पादों को विकसित करने और आगे बढ़ाने का अवसर है। वाराणसी-आजमगढ़ रेशम उद्योग का क्लस्टर रहा है। अगर रेशम का कच्चा माल सस्ता मिलता है तो लागत भी सस्ती आएगी।